AHO – 1374 C.V.-19
B.A. (Part-I) Ex./Supply Last Chance
Term End Examination, 2019-20
Hindi Literature (Paper-I)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों की संसंदर्भ व्याख्या कीजिए : 8x3

(क) धूम, साम, धौरे घन घाए, सेत घजा बंग
पांति देखा
खडग–बीजु चमकै चहुँ ओरा, बूंद–बान बरसहि
घन घोरा।
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत उबारु मदन
हौं घेरी
दादुर, मोर, कोकिल पीऊ। गिरै, बीजु घट
रहै न जीऊ

अथवा

विप्र सहित परिवार गोसाई करहि छोछु सब
रौरिहि नाई।
जे गुर चरन रेनु सिर घरहीं ते जउ सकल
विभव बस करही
मोहि सम यहु अनुभवउ न दूजें। सबु पायऊँ
रज पावनि पूजें।
अब अभिलाषु एकु मन मोरें, पूजिहि नाथ
अनुग्रह तोरें।।

(ख) भोर ते सॉझ लौ कानन ओर निहारति बावरी
नेकुन हारति
सॉझ ते भोर लौ तारनि बो तारनि सों इकतार
न टारति।
जौ कहूं भावतो डीढि परै घनानंद औसुनि
औसर गारति।
मोहन–सोहन जोहन की लगियै रहै ऑखिन
के उर आरति।

अथवा

दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघह।
पूरा किया बिसाहूँणॉ, बहुरि न ऑवौ हह।
जाका गुर भी अंधला, चेला खरा निरंध।
अंधे अंधा ठेलिया, दून्यूँ कूप पड़ंत।

(ग) नीके रहियो जसुमति मैया।
आवैंगे दिन चारि पॉच में हम हलधर दोऊ
भैया।।
जा दिन तें हम तुमतें बिछुरे काहु न कहो
कन्हैया।।
कबहुँ प्रात न कियो कलेवा, सॉझ न पीन्हों
छैया।।
बंसी बेनु संभारी राखियो और अबेर सबेरो।।
मति लै जाय चुराय राधिका कछुक खिलौनो
मेरो।।
कहियो जाय नंद बाबा सों निपट निठुर जिय

कीन्हों।।
सूर स्याम पहुँचाय मधुपुरी बहुरि संदेस न
लीन्हो।।

अथवा

बरनि राम गुन सीलु सुभाऊ। बोले प्रेम पुलकि मुनिराऊ।।
भूप सजेउ अभिषेक समाजू। चाहत देन तुम्हहि जुबराजू।।
राम करहू सब संजम आजू। जौं विधि कुसल निबाहै काजू।।
गुरु सिख देइ राय पहिं गयहू। राम हृदयअस बिसमउ भयऊ।।
जनमें एक संग सब भाई। भोजन सयन केलि लरिकाई।।
करनबेध उपबीत बिआहा। संग–संग सब भए उछाहा।।
तेहि अवसर आए लखन मगन प्रेम आनन्द।
सनमाने प्रिय वचन कहि रघुकुल कैरवचन्द।।

2. कबीर एक क्रांतिकारी रचनाकार हैं। इस कथन की सत्यता पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

जायसी के लौकिक प्रेम के माध्यम से अलौकिक प्रेम की व्यंजना है। सोदाहरण समझाइए।

3. "तुलसी का काव्य व्यापक समाज में सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रभावशाली है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए। 8

अथवा

सूर के वात्सल्य वर्णन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

4. राम–भक्ति और कृष्ण–भक्ति शाखा की विशेषताएं और प्रमुख कवियों के नाम लिखिए। 8

अथवा

घनानंद किस धारा के कवि हैं ? रीतिकाल में उनका स्थान निर्धारित कीजिए।

5. निम्नलिखित किन्हीं तीन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 12

(क) अष्टछाप कवियों का परिचय दीजिए।
(ख) साखी की विशेषता बताइए।
(ग) नवधा भक्ति की विशेषता बताइए।
(घ) रामभक्ति शाखा की विशेषताएँ लिखिए।
(ड.) विद्यापति के काव्य की विशेषताएं संक्षेप में लिखिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं पन्द्रह वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

(क) उत्तर मध्यकाल का दूसरा नाम क्या है?
(ख) 'सुजान रसखान' किसकी रचना है?
(ग) 'बीजक' किस कवि की रचना है?
(घ) 'कीर्तिलता' किसकी रचना है?
(ड.) किस कवि को 'मैथिल कोकिल' कहा गया?
(च) घनानन्द किसके दरबारी कवि थे?
(छ) रसखान के गुरु का नाम क्या है?
(ज) कबीर की गुरु का नाम क्या था?
(झ) तुलसीदास ने किसका शिष्यत्व प्राप्त किया था?
(ञ) कबीर के रचना का क्या नाम है?
(ट) रत्नसेन कहाँ के राजा थे?
(ठ) कबीर की पत्नी का क्या नाम है?
(ड) सिंघलद्वीप के राजा का क्या नाम है?
(ढ) 'विनय पत्रिका' किसकी रचना है?
(ण) 'प्रेमवाटिका' किसकी रचना है?
(त) 'रीतिमुक्त' के कवि कौन है?
(थ) मेरुदण्ड के दाहिनी ओर कौन–सी नाड़ी है?
(द) कबीर की भाषा कौन सी है?
(ध) राजा शिवसिंह ने किस कवि को दरभंगा जिला उपहार में दिया था?